



GOVT. OF BIHAR  
REGISTRATION, DEEDS & PROHIBITION DEPT.  
MALHUBANI SLOKE MADHUBANI  
COURT FEE  
Authorization No. 3874

STAMP DUTY  
0000  
Rs. ≈ 0000020 ≈ -9.4.2014  
375291  
BIHAR  
INDIA \*\*Zero\*Zero\*Zero\*Zero\*Two\*\*Zero\*\*

"प्ररूप 26"  
(नियम 4क देखिए)

1634  
25.04/2014  
29/04/2014

A.F. 9172



ATTESTED  
(Harish Chandra Jha)  
NOTARY  
Madhubani (Bihar)  
Regd. No.: 822/94

07 मधुबनी (सदन का नाम) के लिए  
निर्वाचन क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम) .....  
निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथपत्र

भाग-क

मेरी पत्नी श्रीमती शशी कान्त \*\*पुत्र/पुत्री/मत्नी  
आयु 49 वर्ष, जो जान शशी कान्त के रजिस्ट्रार  
बाना रजनी मिना पद्मवती (विहार)  
डाक का

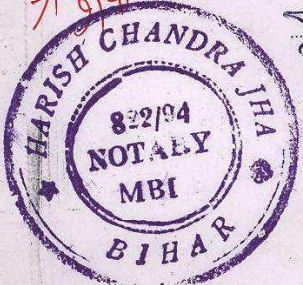
रा पता लिखें) का/की निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता/करती हूँ, शपथ पर निम्नलिखित कथन करता हूँ/करती हूँ:-

(1) मैं चैतन्य राज शशी कान्त (\*\*राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी/ \*\*एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।

(\*जो लागू न हो उसे काट दे)

(2) मेरा नाम रजनी (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग सं 221  
के क्रम सं 695 पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा संपर्क टेलीफोन नं. 7250067152 है/हैं और मेरा ई-मेल आईडी (यदि कोई हो तो) .....  
शशी है।



Harish  
822/94

Harish

(4) स्थाई लेखा संख्याक (पैन) के ब्यौरे और आय-कर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

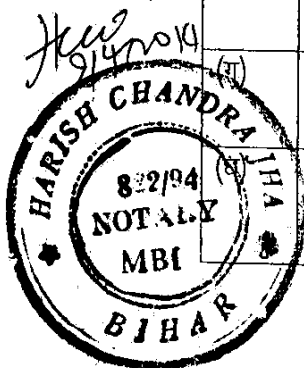
क्रम सं.	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रुपए में)
1.	स्वयं	शुन्य	शुन्य	शुन्य
2.	पति या पत्नी	शुन्य	शुन्य	शुन्य
3.	आश्रित-1	शुन्य	शुन्य	शुन्य
4.	आश्रित-2	शुन्य	शुन्य	शुन्य
5.	आश्रित-3	शुन्य	शुन्य	शुन्य

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त नहीं हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए हैं। 101

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का /की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेंगी :-

(i) निम्नलिखित मामला (मामलें) मेरे विरुद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/ किए गए हैं।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	शुन्य 116/13 शुन्य 62/11
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है	147, 149, 342, 323, 302 360, 406, 420, + 52, 120
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	शुन्य शुन्य
(घ)	न्यायालय, जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	शुन्य शुन्य

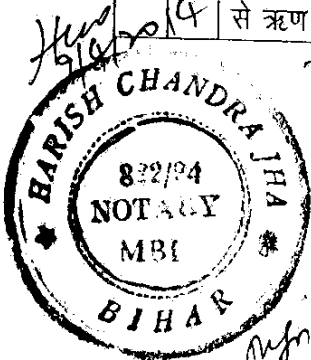


8/22/94

Harish



ख	स्थायर आस्तियां	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	i. स्वअर्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	ii. क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	iii. निम्नलिखित की अनुमानित वर्तमान बाजार कीमत	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	(क) स्वर्जित आस्तियां (कुल मूल्य)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	(ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	—	—	—	—	—
9	दायित्व	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	(i) सरकारी शोध्य (कुल)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	(ii) बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
10	ऐसे दायित्व जो विवादाधीन है	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	(i) सरकारी शोध्य (कुल)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	(ii) बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ



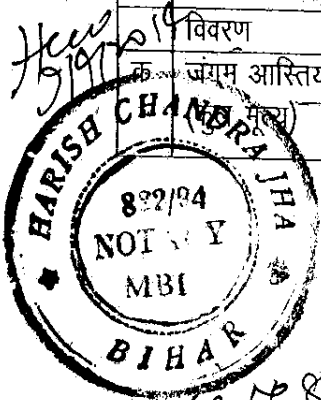
Handwritten signature: Barish Chandra Jha

Handwritten text: 832/P4

भाग-ख

(11) भाग-क के (1) से (10) तक में दिए गये ब्यौरे का उद्धरण

1	अभ्यर्थी का नाम	श्री/श्रीमती/कु० <u>देव</u>				
2	डाक का पता	<u>214 + पं० - 2 सी० ए</u>				
3	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	<u>पाना (व०) सी० एम० एच० एम०</u> <u>07 के० मा० (सी० एम०) बि० ए</u>				
4	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा स्वतंत्र लिखें)	<u>वैचित सभा संसद पक्ष</u>				
5	(i) ऐसे लंबित मामलों की कुल संख्या जिनमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय अपराधों के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किए गए हैं।	<u>ए०</u>				
	(ii) ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें न्यायालय (न्यायालयों) ने संज्ञान लिया है (उपर मद् (i) उल्लिखित मामलों से मिन)	<u>ए०</u>				
6	ऐसे कुल मामलों की संख्या जिनमें सिद्धदोष ठहराया गया एक वर्ष या उससे अधिक के लिए कारावास से और दंडित किया गया है। (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 की उपधारा (1), उपधारा (2) या उपधारा (3) में निर्दिष्ट अपराधों के सिवाए)	<u>शून्य</u>				
7	..... का स्थायी लेखा सं०	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय			
	(क) अभ्यर्थी	<u>शून्य</u>	<u>शून्य</u>	<u>शून्य</u>		
	(ख) स्ति या पत्नी	<u>शून्य</u>	<u>शून्य</u>	<u>शून्य</u>		
	(ग) आश्रित	<u>शून्य</u>	<u>शून्य</u>	<u>शून्य</u>		
8	आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे (रूपये में)					
	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
	क. जंगम आस्तियां	<u>शून्य</u>	<u>शून्य</u>	<u>शून्य</u>	<u>शून्य</u>	<u>शून्य</u>



पं. 14 822/94

*Handwritten signature*

	विद्युत आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	टेलीफोन/मोबाईल आपूर्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	सरकारी परिवहन (वायुयान और हेलिकाप्टर सहित) से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	आय-कर शोध्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	धनकर शोध्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	सेवाकर शोध्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	नगरपालिका/सपति कर शोध्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	विक्रयकर शोध्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	कोई अन्य शोध्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
(iii)	सभी सरकारी शोध्यों का कुल योग	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
(iv)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादाधीन है, यदि हां तो अंतर्वलित रकम और उस प्राधिकारी जिसके समक्ष यह लंबित है का वर्णन करें।	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं व्यापक

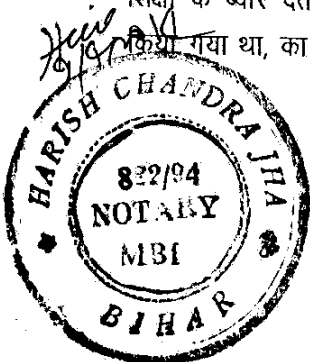
(ख) पति या पत्नी शुभ

(10) मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिये अनुसार है :-

बिहार विश्वविद्यालय - एम.बी.ए. डिग्री

(प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)

वर्ष 1991



Ref. No 822/94

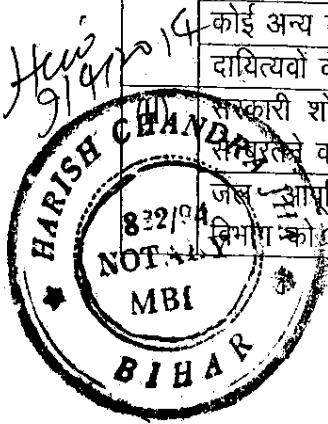
*Harish*

	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	स्वअर्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
(V)	अन्य (जैसे कि संपत्ति में हित)	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
(VI)	पूर्वोक्त (i) से (V) का कुल चालू बाजार मूल्य	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति दायित्वों/को शोध्यों के ब्यौरे नीचे देता हूँ :-

(टिप्पण : कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यक्ति के नाम और उनमें प्रत्येक के समक्ष रकम के ब्यौरों का पृथक विवरण दें)

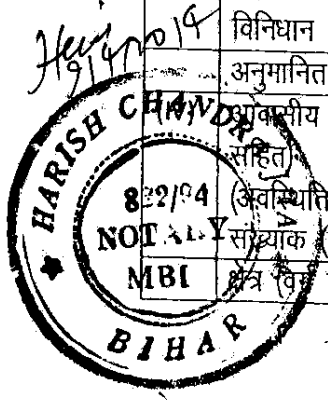
क्र० सं०	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित -1	आश्रित -2	आश्रित -3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं को ऋण या शोध्य बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यष्टिकों, निकाय को ऋण या शोध्य नाम, बकाया, रकम, ऋण की प्रकृति	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	कोई अन्य दायित्व	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	दायित्वों का कुल योग	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	सरकारी शोध्य : सरकारी आवास संधारण वाले विभागों को शोध्य	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध
	जब आपत्ति से बरतने वाले विभाग को शोध्य	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध	शुद्ध



832/94

Harish

	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
(ii)	गैर कृषि भूमि : अवस्थिति (अवस्थितियाँ) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	विकास संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
(iii)	वणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियाँ) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	अनुमानित चालू बाजार मूल्य	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	व्यावसायिक भवन (अपार्टमेंट सहित) अवस्थिति (अवस्थितियाँ) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ



Handwritten: Mr. P 82294

Handwritten signature: Harish

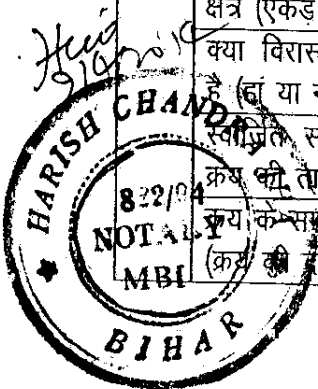
(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्ही वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी, न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	मोटरयान/वायुयान/याट/पोत (मेक रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्ष और रकम)	वृत्त नं० 2 14110 M अप्रैल 5 1984 रकम 5403 200886	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	समग्र कुल मूल्य	60000	80000	शून्य	शून्य	शून्य

आ. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1- संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2- प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस प्रारूप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

क्रम सं०	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित-1	आश्रित-2	आश्रित-3
(i)	कृषि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्याक (संख्याएँ) क्षेत्र (एकड़ में कुल माप)	1006T	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	हां	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	संपत्ति की दशा में क्या की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या के समय भूमि की लागत (किस की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य



8/11/94

Harish



(ग)	अधिरोपित दंड	शुण्य
(घ)	क्या सिद्धदोष ठहराने के आदेश के विरुद्ध कोई अपील फाइल की गई थी/है। यदि हां, तो अपील के ब्यौरे और वर्तमान प्रास्थिति	शुण्य

(7) मैं मेरे, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आरितियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1 - संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

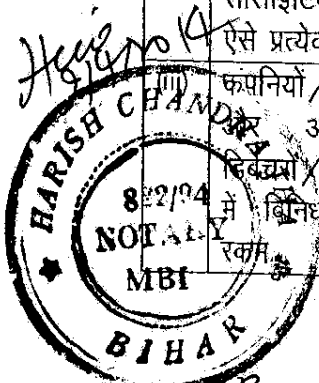
टिप्पण 2 - जमा/विनिधान की दशा में क्रम सं., रकम, जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और शाखा सहित ब्यौरे दिए जाने है।

टिप्पण 3 - सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/शेयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की दशा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 - यहां आश्रित का वही अर्थ है जो उसका लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 75क के अधीन स्पष्टीकरण (5) में है।

टिप्पण 5 - रकम सहित ब्यौरे प्रत्येक विनिधान के संबंध में पृथकतया दिए जाने हैं।

क्रम सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	आश्रित - 1	आश्रित - 2	आश्रित - 3
(i)	हाथ में नकदी	75000	शुण्य	शुण्य	शुण्य	शुण्य
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	16080001 00013799 2000 1000 200	शुण्य	शुण्य	शुण्य	शुण्य
	कंपनियों/ पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/शेयरों तथा यूनितों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	शुण्य	शुण्य	शुण्य	शुण्य	शुण्य



8/2/24  
NOTARY  
MBI  
BIHAR

Harish

(ड.)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गए थे	10.11.2012
(घ)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/हैं	शुन

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरुद्ध लंबित है/हैं जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है पूर्वोक्त

मदद (i) में वर्णित मामलों से भिन्न:-

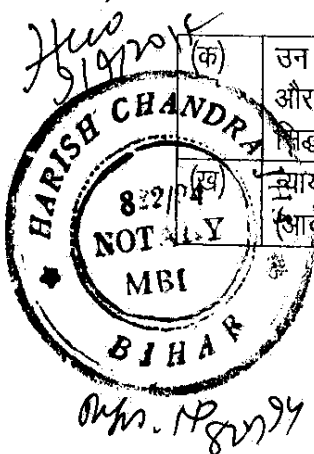
(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	① शुन ② गुलाम रीश गुलाम
(ख)	उन मामलों के ब्यारे जहां न्यायालय ने संज्ञान लिया है, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए संज्ञान लिया गया है	341, 323, 147, 148 504, 1448,
(ग)	पूर्वोक्त आदेश (आदेशों) के विरुद्ध पुनरीक्षण के लिए फाइल की गई अपील (अपीलों)/आवेदन (आवेदनों) (यदि कोई हों) के ब्यारे	शुन

(6) मुझे किसी अपराध (अपराधों) (लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43)की धारा 8 की उपधारा (1) या उपधारा (2) में निर्दिष्ट या उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाले किसी अपराध (अपराधों) से भिन्न, के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है/नहीं ठहराया गया है और एक वर्ष या अधिक के लिए कारावास का दंडादेश दिया गया है/नहीं दिया गया है:

यदि अभिसाक्षी उपर्युक्त रूप में सिद्धदोष ठहराया गया और दंडादिष्ट किया गया है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा:

निम्नलिखित मामलों में मुझे सिद्धदोष ठहराया गया है और न्यायालय द्वारा कारावास का दंडादेश दिया गया है

(क)	उन मामलों के ब्यारे, अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए सिद्धदोष ठहराया गया है	शुन
(ख)	न्यायालय (न्यायालयों) का नाम, मामला संख्या और आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें)	शुन



11	उच्चतम शैक्षिक अर्हता : <u>आर्य समाज</u>  (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।) <u>पटरसा एम.ए. कॉलेज 4271</u>
----	--

सत्यापन

मैं, उपर उल्लिखित अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूँ कि इस शपथपत्र की विषय-वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्त्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूँ कि :-

(क) मेरे विरुद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामलें से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है;

(ख) मेरी पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या दायित्व से भिन्न कोई आस्ति या दायित्व नहीं है।

आज तारीख 9.4.14 को सत्यापित किया गया।

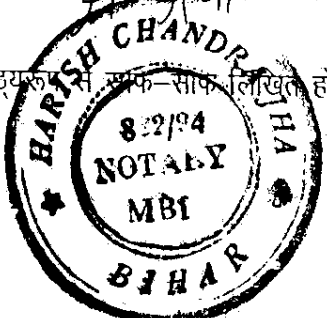
*Handwritten Signature*  
अभिसाक्षी

टिप्पण 1. शपथपत्र नामांकन फाइल करने के अंतिम दिन को 3:00 बजे अपराह्न तक फाइल किया जाना चाहिए।

टिप्पण 2. शपथपत्र पर किसी शपथ कमिश्नर या प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट के समक्ष या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष शपथ ली जानी चाहिए।

टिप्पण 3. सभी स्तंभों को भरा जाना चाहिए और कोई स्तंभ खाली न छोड़े, यदि किसी मद के संबंध में देने के लिए कोई जानकारी नहीं है तो, यथास्थित "शून्य" या "लगु नहीं होता" उल्लिखित किया जाना चाहिए।

solemly affirmed (दोषसिद्धि) कृत या सुपाठ्यक्रम से एक-साफ लिखित होना चाहिए।  
Solely in presence of  
Sri. Harish Chand...  
(Harish Chand...)  
9/4/14



Identify the declarant who has  
Signed in L.B.T.J. in my presence  
*Handwritten Signature*  
9/4/14

टिप्पण - 5 माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 13.09.2013 को WP(C) संख्या 121-2008 में रिसर्जेंस इंडिया बनाम भारत निर्वाचन आयोग एवं अन्य, के मामले में अभ्यर्थियों द्वारा अपूर्ण शपथ-पत्र दाखिल किये जाने के संबंध में दिए गये न्याय निर्णय के आलोक में अभ्यर्थी द्वारा शपथ पत्र के सभी स्तंभों को भरा जाना है। कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जा सकता है। शपथ पत्र प्रस्तुत किये जाते समय निर्वाची पदाधिकारी द्वारा यह जाँच कर लिया जाना है कि नाम निर्देशन पत्र के साथ दाखिल किये गये शपथ पत्र के सभी स्तंभ भर लिए गये हैं, अगर ऐसा नहीं किया गया है तो निर्वाची पदाधिकारी, अभ्यर्थी को खाली स्तंभों के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने हेतु स्मार देंगे। माननीय न्यायालय का न्याय निर्णय है कि अगर किसी मद में उपलब्ध कराये जाने हेतु कोई जानकारी नहीं है तो 'शून्य' या 'लागू नहीं' या 'ज्ञात नहीं' जो उपयुक्त हो, ऐसे स्तंभ में दर्ज किये जायेंगे। उनके द्वारा कोई भी स्तंभ खाली नहीं छोड़ा जाना है। यदि अभ्यर्थी स्मार दिये जाने के बाद भी स्तंभ को भरे जाने में असफल होता है तो नाम निर्देशन पत्र की संवीक्षा के समय नाम निर्देशन पत्र निर्वाची पदाधिकारी द्वारा अस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

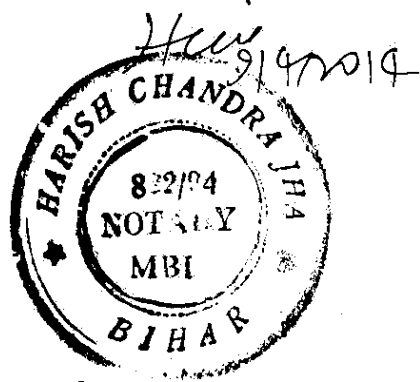
टिप्पण-6 शपथ पत्र के पारा 3 में जानकारी निम्नलिखित रूप में उपलब्ध करायी जायेगी।

"मेरा दूरभाष सम्पर्क संख्या/संख्यायें है/हैं..... 9250067151

मेरा ई-मेल आई०डी० (अगर कोई हो) है..... 925

एवं मेरा सोशल मीडिया एकाउंट्स (अगर कोई हो) है..... 925

टिप्पण-7 शपथ पत्र के पारा 8 में वित्तीय संस्थानों के प्रति दायित्वों में विदेशी बैंकों/संस्थाओं में जमा/निवेश सहित सूचना दें।



Harish

822/04